



रामायण रिसर्च काउंसिल

रामायणी सम्मान 2026

तिथि: 18 अगस्त 2026

स्थान: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी

आतिथ्य सहयोगी: भारत अध्ययन केन्द्र (बीएचयू)

आयोजन रूपरेखा एवं कार्य-योजना

प्रस्तावना

भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, साहित्य, शोध, कथा-वाचन, संगीत एवं सामाजिक जागरण के क्षेत्र में रामायण आधारित उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभूतियों को सम्मानित करने हेतु “रामायणी सम्मान 2026” का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन राष्ट्रव्यापी स्तर पर होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से विद्वानों, कथावाचकों, शोधकर्ताओं, कलाकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का चयन किया जाएगा। वहीं अगर कोई देश के बाहर भी रह रहा हो और उनका इस दिशा में योगदान है तो उन्हें भी हम यह सम्मान दे सकते हैं, ऐसा प्रस्ताव है।

इस आयोजन का उद्देश्य रामायण परंपरा के संवर्धन, संरक्षण एवं वैश्विक प्रचार-प्रसार में लगे व्यक्तित्वों को सम्मानित करना है।

उद्देश्य

1. रामायण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का राष्ट्रीय सम्मान।
2. विभिन्न रामायण परंपराओं और शोध कार्यों को मुख्यधारा में लाना।
3. नई पीढ़ी को रामायण साहित्य और संस्कृति से जोड़ना।
4. भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहकों का सम्मान एवं प्रोत्साहन।
5. रामायण वांगमय के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के पुण्य-प्रवाह को निरंतरता प्रदान करना।

आयोजन की चरणबद्ध समयरेखा एवं प्रारूप

चरण 1: नामांकन प्रक्रिया

अवधि: 09 जुलाई 2026 – 23 जुलाई 2026

इस चरण में होने वाले कार्य:

- नामांकन पत्र निर्गत करना।
- ईमेल/गूगल फॉर्म/ऑफलाइन माध्यम से आवेदन करना।

उत्तरदायी समूह:

- चयन समिति
- 'रामायणी अवॉर्ड' आयोजन समिति

चरण 2: प्रारंभिक निरीक्षण

अवधि: 24 जुलाई – 29 जुलाई 2026

कार्य:

- प्राप्त नामांकनों की श्रेणीवार चयन।
- अधूरे या अयोग्य आवेदन अलग करना।
- पात्र आवेदकों की सूची तैयार करना।

श्रेणियाँ:

1. रामायण शोध सम्मान
2. रामकथा वाचन सम्मान
3. रामायण साहित्य सम्मान
4. रामायण संगीत सम्मान
5. बाल रामायणी सम्मान
6. राष्ट्रसेवा रामायणी सम्मान
7. श्रीसीतारामपथिक सम्मान

चरण 3: चयन समिति मूल्यांकन

अवधि: 30 जुलाई – 03 अगस्त 2026

प्रक्रिया:

- चयन समिति के सभी सदस्यों को योग्य आवेदकों की डिजिटल प्रोफाइल फाइल भेजी जाएगी।
- प्रत्येक सदस्य स्वतंत्र अंकन करेंगे।
- अंकन मानदंड:

मापदंड	अंक
मौलिक योगदान	25
प्रभाव क्षेत्र	20
शोध/प्रकाशन	20
सामाजिक प्रभाव	20
रामायण परंपरा में योगदान	15
कुल अंक:	100

विशेष निर्देश:

- किसी सदस्य का हित-संघर्ष हो तो वह उस नामांकन से अलग रहेगा।
- अंतिम सूची बहुमत आधारित होगी।

अंतिम सूची निर्माण

तिथि: 04 अगस्त – 05 अगस्त 2026

कार्य:

- प्राप्त अंकों का संकलन
- अंतिम अनुमोदन
- प्री-प्रेस नोट तैयार करना
- प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न सूची बनाना

पुरस्कार विजेताओं की घोषणा

तिथि: 06 अगस्त 2026

आधिकारिक घोषणा :

- आधिकारिक प्रेस-रिलीज जारी करना
- सोशल मीडिया पोस्ट
- सम्मान देने वालों को आधिकारिक पत्र भेजना
- ईमेल आमंत्रण

कार्य:

- विजेताओं को व्यक्तिगत सूचना
- यात्रा एवं उपस्थिति की पुष्टि

मुख्य आयोजन दिवस

18 अगस्त 2026, दिन: मंगलवार

स्थान: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कार्यक्रम

दोपहर: 01:30 PM – 02:00 PM

अतिथि आगमन एवं पंजीकरण

02:00 PM – 02:05 PM

दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण

02:06 PM – 02:10 PM

स्वागत भाषण

02:11 PM – 02:19 PM

रामायण रिसर्च काउंसिल का परिचय

02:20 PM – 03:00 PM

रामायणी अवॉर्ड वितरण

03:01 PM से

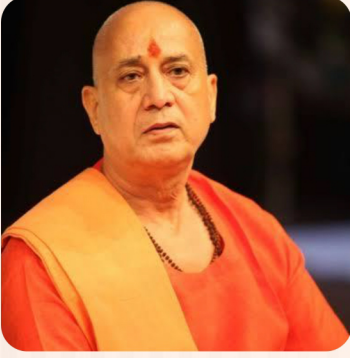
अतिथियों का उद्बोधन

04:00 PM - 04:15 PM

आशीर्वचन एवं धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन की घोषणा

चयन समिति के सम्मानित सदस्य

1



पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज
लोकप्रिय कथावाचक
निकुंज वन, वृंदावन

2



**पूज्य स्वामी आचार्य
मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज**
हनुमत निवास, अयोध्या

3



**श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर
पूज्य स्वामी सांदीपेंद्र जी महाराज**
मां बगलामुखी मंदिर प्रांगण, नलखेड़ा (मध्य प्रदेश)
एवं अध्यक्ष, रामायण रिसर्च काउंसिल

4



**पद्मश्री आचार्य पूज्य डॉ. हरिहर कृपालु
त्रिपाठी जी महाराज**
(पूर्व अध्यक्ष, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर
न्यास वाराणसी)

5



प्रो. डॉ. अजीत कुमार चतुर्वेदी जी
कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

6



डॉ. कुमार विश्वास जी
लोकप्रिय श्रीरामकथावाचक (अपने-अपने राम)
कवि एवं मुख्य मार्गदर्शक, रामायणी सम्मान

7



श्री रजत शर्मा जी,
अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक, इंडिया टीवी

8



श्रीमती अनुराधा प्रसाद जी,
मैनेजिंग एडिटर, न्यूज-24

9



जस्टिस (R) सुधीर अग्रवाल जी
(इलाहाबाद हाईकोर्ट में श्रीराममंदिर विषय पर
निर्णय देने वाले जज के पैनल में से एक)

10



श्री संदीप मारवाह जी,
संस्थापक अध्यक्ष, नोएडा फिल्म सिटी
कुलाधिपति, एएफटी विश्वविद्यालय तथा
अध्यक्ष, मारवाह स्टूडियोज

11



श्री आर.के. तिवारी जी,
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

12



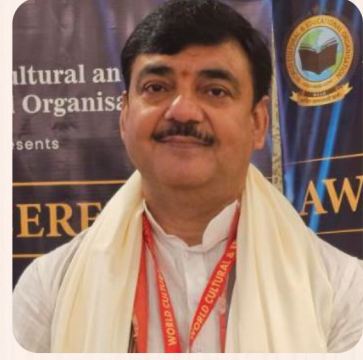
श्री अनिल माहेश्वरी जी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक, नोएडा

13



श्री भारत नागर जी,
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

14



प्रो. (डॉ.) अशोक दूबे जी
आचार्य, संस्कृत विभाग, बीएसएनवी
पीजी कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय

15



डॉ. देव दत्त शर्मा जी, आईएस (R)
ट्रस्टी, रामायण रिसर्च काउंसिल एवं संयोजक,
रामायणी सम्मान

16



श्री कुमार सुशांत जी
महासचिव, रामायण रिसर्च काउंसिल

कार्यक्रम समन्वयक:

प्रो. शरदिन्दु कुमार तिवारी, समन्वयक, भारत अध्ययन केंद्र (बीएचयू)

किसी सुझाव हेतु हमें लिखें
ramayanisamman@gmail.com

चयन समिति के सदस्यों के नाम को जानने हेतु विजिट करें
www.ramayanresearchcouncil.org

पत्राचार का पता:

कार्यालय, रामायणी अवार्ड आयोजन समिति,
(रामायण रिसर्च काउंसिल),
201, ए-57, कैलाश कॉलोनी, लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली- 110048

रामायण रिसर्च काउंसिल के विषय में सारांश में जानिए

‘रामायण रिसर्च काउंसिल’ ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत संस्था है तथा समाज एवं राष्ट्रहित में कई प्रकल्पों पर कार्य कर रही है। काउंसिल आयकर विभाग अंतर्गत 12-ए और 80-जी, सीएसआर और नीति आयोग में पंजीकृत है।

काउंसिल शायद देश की एकमात्र ऐसी संस्था है जो हमारे जीवन की आधार जगतजननी मां सीताजी की प्राकट्य स्थली सीतामढ़ी (बिहार) को शक्ति क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए भी कार्य करती है और हमारे आराध्य प्रभु श्रीरामलला के जन्म-स्थान अयोध्या में 492 वर्षों के मंदिर संघर्ष पर अब तक का सबसे बड़ा साहित्य-ग्रंथ भी तैयार करती है।

काउंसिल के परमाध्यक्ष पवनसुत श्री हनुमान जी महाराज हैं। सीतामढ़ी में काउंसिल के प्रयत्नों को देखते हुए विगत वर्ष बिहार सरकार ने सीतामढ़ी के अति प्राचीन श्रीरामजानकी स्थान पर काउंसिल को लगभग 12 एकड़ भूमि आवंटित की। काउंसिल यहां तीन चरणों में कार्य कर रही है।

 प्रथम चरण में काउंसिल ने सीतामढ़ी के अति प्राचीन श्रीरामजानकी-स्थान (लगभग एक-एकड़ में फैले) के जीर्णोद्धार हेतु शिलापूजन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया जो (शिलापूजन) बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री आ. श्री सम्राट चौधरी जी के हाथों संपन्न हुआ। 29 जुलाई 2026 से यहां जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ है।

 दूसरे चरण में शारदीय नवरात्र के प्रथम पूजन पर यानी 11 अक्टूबर 2026 से इस स्थल पर भूमि माता की आरती ‘श्रीजानकी-आरती’ के नाम से आयोजित होने जा रहा है। यह ‘श्रीजानकी-आरती’ अन्य आरती की ही तरह यहां प्रतिदिन संध्या को विद्वान पंडितों के द्वारा अथर्ववेद में वर्णित भूमि-सूक्त के 62 श्लोकों से आयोजित की जाएगी।

 तीसरे चरण में काउंसिल को आवंटित 12 एकड़ भूमि में 51 शक्तिपीठों से मिट्टी व ज्योत लाकर यहां चिरकाल तक प्रज्वलित रहने वाले एक ‘अखण्ड शक्तिपुंज’ को स्थापित करना प्रस्तावित है। वहीं श्रीदुर्गासप्तशती के प्राधानिक रहस्य में वर्णित श्रीचतुर्भुजा महालक्ष्मीजी को भी गर्भ में स्थापित किया जाना है। यहां श्रीहनुमानजी की 108 फीट ऊंची प्रतिमा, जयायुजी और धनुष की प्रतिमा भी स्थापित किया जाना है। जानकी शोध केंद्र, जानकी अध्ययन केंद्र, जानकी पुस्तकालय, जानकी गुरुकुल इत्यादि कई विषयों पर कार्य होना है।

 इससे पूर्व काउंसिल अयोध्या में श्रीराम मंदिर संघर्ष पर आधारित 1250 पृष्ठों का ग्रंथ ‘श्रीमलला-मन से मंदिर तक’ को हिन्दी भाषा में तैयार कर चुकी है। अंग्रेजी में अनुवाद जारी है। काउंसिल ने माता सीताजी की आराधना एवं भक्ति पर आधारित पुस्तक ‘श्रीभगवती सीता - महाशक्ति साधना’ तैयार किया।

 वहीं, 12 वर्षीय बाल-व्यास वैदेहीनंदन वेदांतजी ने अपने गुरु (काउंसिल के अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी सांदीपेंद्र जी महाराज, माता बगलामुखी मंदिर प्रांगण, नलखेड़ा, मप्र) के सानिध्य में माँ जानकीजी के प्रेरणादायी आदर्शों को समर्पित पांच प्रमुख पुस्तकें पूर्ण की हैं—
I). ‘श्रीभगवती सीताजी- प्राकट्य-रहस्यम्’, II). अवतार रहस्य: कमला से किशोरी तक
III). ‘श्रीसीताराम: विवाह-उत्सव’, IV). ‘महाशक्ति सीताजी’ तथा V). मैथिली और मिथिला।

 वर्ष 2025 में आयोजित महाकुंभ में अधिकांश प्रमुख गतिविधियों को चित्र सहित सम्मिलित कर इस विषय पर अब तक के सबसे वृहद साहित्य ‘महाकुंभ का महामंथन’ को हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में कॉफीटेबल बुक के रूप में तैयार किया गया है।

 काउंसिल पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से संस्कृत भाषा में पाक्षिक पत्रिका ‘रामायण वार्ता’ का प्रकाशन का कार्य भी करती रही है। वहीं, संस्कृत भाषा के प्रसार के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु 60 दिनों के कोर्स पर आधारित एक पुस्तिका ‘देवभाषा संस्कृत सीखें’ को भी अंतिम स्वरूप देने में जुटी है जिसका डिजिटल वर्जन भी तैयार किया जाना है।